मूल्य : 200/-

परीक्षा मंथन®

'लक्ष्य'-2, 2026
करेंट अफेयर्स त्रैमासिक

(सभी सिविल सर्विसेज, वनडे एग्जाम एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रारंभिक, मुख्य एवं साक्षात्कार परीक्षाओं हेतु समान रूप से उपयोगी)

विषय-प्रवेश

विषय-सूची 1-4

1. सम-सामयिक लेख 5-24

● अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति में होर्मुज जलसन्धि का महत्व ● वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौतियों का साल 2025 ● भारत में AI का विकास क्रम ● 2025 : भारत की अंतरिक्ष प्रगति ● उत्तर भारत के मैदानी इलाकों की जलवायु, वायु और जल के लिए अरावली पर्वतमाला क्यों महत्वपूर्ण है? *अथवा* अरावली पर्वतमाला का महत्व ● नई उभरती विश्व व्यवस्था की भारत में विदेश नीति ● भारत में फ्रीबीज की संस्कृति ● 'विकसित भारत @ 2047' : भारत की आर्थिक महाशक्ति बनने का आगाज ● भारत में बढ़ता वायु प्रदूषण ● वेनेजुएला संकट *अथवा* वेनेजुएला संकट और भारत पर इसका प्रभाव ● भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति का प्रारंभ

2. राष्ट्रीय परिदृश्य 25-40

● भारत में शैक्षिक चुनौतियों के समाधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका ● प्रहार-आतंकवाद विरोधी नीति ● केरल से केरलम तक की यात्रा ● गिग वर्कर्स को सामजिक सुरक्षा ● सीमावर्ती देशों के लिए भारत की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीति में परिवर्तन ● भारत में एलपीजी आपूर्ति संकट ● उत्तर प्रदेश बना 100 प्रतिशत ओडीएफ प्लस राज्य ● भारत में प्रपत्र 7 विवाद ● प्लास्ट इंडिया, 2026 ● AI हेतु भारत का MANAV विजन ● NGT द्वारा ग्रेट निकोबार परियोजना को स्वीकृति ● 'विकसित भारत और नेट जीरो की ओर परिदृश्य' रिपोर्ट ● मेघालय में रैट-होल माइनिंग ● ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 ● जलज आजीविका केंद्र ● चटरगला दर्रा ● भारत के गणतंत्र दिवस समारोह की मुख्य अतिथि और भारत के गणतंत्र दिवस समारोह ● शक्सगाम घाटी और भारत एवं चीन के मध्य टकराव ● जनसांख्यिकीय शीत और भारत का संकुचित जनसांख्यिकीय लाभांश ● महानगरों से परे नगरीकरण ● डिजिटल अरेस्ट और केंद्र सरकार का सक्रिय रुख ● राजस्थान की पहली ऑर्गेनिक पंचायत : बामनवास कंकर पंचायत ● राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर ● संविधान का संथाली संस्करण और 'ओल चिकी' लिपि ● भीमा नदी जल विवाद ● परम वीर दीर्घा ● चो ला और डोक ला अब आम पर्यटकों के लिए खोला गया ● टिप्पणी

3. अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य 41-60

● अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ शक्तियाँ और सर्वोच्च अदालत का फैसला ● नेपाल में सत्ता परिवर्तन ● अशांति और संघर्ष से जूझ रहे विश्व के प्रमुख देश ● पश्चिम एशिया संघर्ष और भारत के औद्योगिक सेक्टर पर संभावित प्रभाव ● भारत–कनाडा संबंधों में सुधार की नई पहल ● पाकिस्तान- अफगानिस्तान सीमा विवाद ● बोर्ड ऑफ पीस ● वेनेजुएला संकट पर संयुक्त राष्ट्र में घिरा अमेरिका ● 'बोर्ड ऑफ पीस': गाजा से वैश्विक संघर्षों तक ● अमेरिका-इंडिया कनेक्ट पहल ● भारत और ब्राजील सहयोग ● भारत-फ्रांँस वैश्विक रणनीतिक साझेदारी ● किंबर्ले प्रोसेस 2026 का अध्यक्ष भारत ● भारत-अमेरिका व्यापार समझौता 2026 ● भारत-कनाडा संबंध ● वीमर त्रिकोण ● यूरोपीय संघ-मर्कोसुर समझौता ● यूएनईपी एफआई इम्पैक्ट सेंटर ● सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025 ● भारत–अमेरिका व्यापार समझौता 2026 ● न्यू स्टार्ट संधि का अवसान ● प्रोजेक्ट वॉल्ट (Project Vault)- अमेरिका की $12 अरब की रणनीतिक खनिज योजना ● दिल्ली घोषणापत्र 2026: भारत की मध्य पूर्व रणनीति ● भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता ● पैक्स सिलिका पहल ● अमेरिका की अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के संदर्भ में एक्जिट पॉलिसी ● सोमालीलैंड को मान्यता संबंधी मुद्दा ● रैपिड फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट ● ब्लू कॉर्नर नोटिस ● अंतर्राष्ट्रीय समुद्री नौवहन सहायता संगठन ● 2026 के प्रमुख आपरेशन ● ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व ● 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' ● ऑपरेशन फतह-ए-खैबर ● डिजिटल नोमैड वीजा ● टिप्पणी

4. नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 61-66

● एआई इम्पैक्ट समिट, 2026 ● भारत को वर्ष 2026 के लिए ब्रिक्स की अध्यक्षता ● BRICS India 2026 का लोगो और वेबसाइट ● दावोस शिखर सम्मेलन 2026 ● रायसीना संवाद 2026

5. आर्थिक परिदृश्य 67-78

● भारत टेक्स 2026 सम्मेलन ● विश्व बैंक द्वारा जारी भारत का जीडीपी ग्रोथ अनुमान ● बहु-मुद्रा व्यवस्था की ओर दुनिया ● सबसे बड़े तेल भंडार वाले देश ● रुपये की गिरावट के मूल कारण ● भारत में माइक्रोसॉफ्ट का विशाल निवेश : 'एआई-प्रथम भविष्य' के लिए 17.5 बिलियन डॉलर (1.5 लाख करोड़ रुपये) ● 16वां वित्त आयोग : शहरी शासन सुधारों को नई मजबूती ● नवीन जीडीपी आधार वर्ष ● राष्ट्रीय आय का पहला अग्रिम अनुमान ● स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 ● शहरी चुनौती कोष ● मूल सीमा शुल्क (BCD) ● सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) ● पूंजीगत वस्तु क्षेत्र ● 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट ● गति शक्ति कार्गो टर्मिनल और भारत का लॉजिस्टिक्स परिवर्तन ● सकल घरेलू उत्पाद एवं निवल घरेलू उत्पाद ● स्टेबलकॉइन ● टिप्पणियां

6. आर्थिक सर्वेक्षण, 2025-26 एवं केंद्रीय बजट, 2026-27	79-88

● आर्थिक सर्वेक्षण : 2025-26 ● केंद्रीय बजट 2026-27

7. विधिक परिदृश्य	89-102

● शांति अधिनियम ● केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2025 ● अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्तावः संवैधानिक प्रक्रिया और निहितार्थ ● भारत में पर्यावरणीय न्यायशास्त्र का क्षरण ● यूजीसी इक्विटी विनियम, 2026 ● राज्यपाल का सदन से वॉकआउट और संवैधानिक मुद्दे ● झारखंड में 25 साल बाद पेसा (PESA) कानून लागू -आदिवासी स्वशासन की ऐतिहासिक वापसी ● भारतीय मध्यस्थता परिषद ● भारत में नागरिकता ● राष्ट्रीय लोक अदालत और लोक अदालत व्यवस्था ● हेट स्पीच और हेट क्राइम ● राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 ● **सुप्रीम कोर्ट के महत्त्वपूर्ण निर्णय**—● सुप्रीम कोर्ट द्वारा निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति ● आदिवासी महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकार ● दोहरी डिग्री अब मान्य ● मासिक धर्म : स्वास्थ्य का अधिकार ● नार्को टेस्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय ● टिप्पणी

8. विज्ञान/प्रौद्योगिकी एवं अंतरिक्ष	103-112

● **विज्ञान/प्रौद्योगिकी–**● 10 ब्रेकथ्रू टेक्नोलॉजीज ● ड्रोग पैराशूट का सफल परिक्षण ● जीपीएस स्पूफिंग ● जैव-आधारित रसायन और एंजाइम ● लद्दाख टेलीस्कोप ● भारत की अंतरिक्ष मिशन में विफलताएँ ● रमन ड्रिवन स्पिन नॉइज स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक ● श्वेत बौना प्रणाली ● एमपेंबा प्रभाव ● एकम एआई ● सोर्स कोड ● PathGennie ● भारत में माइक्रोप्रोसेसर का विकास एवं ध्रुव64 ● लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) ● **अन्तरिक्ष–** ● प्रोबा-3 मिशन ● अंतरिक्ष यात्रा एवं मानव शरीर से संबंधित चुनौतियाँ ● PSLV विफलताएँ ● रिमोट सेंसिंग और भारत का IRS कार्यक्रम ● 'क्लाउड-9'

9. योजना/परियोजना/पहल/अभियान/कार्यक्रम	113-126

● **केंद्र सरकार की योजना–**● अमृत भारत स्टेशन योजना ● बायो फार्मा शक्ति योजना ● पात्र विनिर्माता आयातक योजना ● मूनशॉट प्रोजेक्ट : मस्तिष्क की क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल ● चावल फोर्टिफिकेशन योजना ● प्रसाद (PRASHAD) योजना ● प्रधानमंत्री राहत योजना ● एनएसपीएस स्वास्थ्य पेंशन योजना (NSPS) ● अटल पेंशन योजना ● ओपन-सी मरीन फिश फार्मिंग प्रोजेक्ट ● स्टार्टअप इंडिया के एक दशक ● गरीब कैदी सहायता योजना ● धातुमल दुर्लभ मृदा स्थायी चुम्बक योजना ● प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 वर्ष ● प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना ● **राज्य की योजनायें–** ● SHINE योजना ● युवा परिवर्तन राजदूत पहल ● 'एक जिला-एक व्यंजन' योजना ● प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना : उत्तर प्रदेश ● **अभियान/पहल/कार्यक्रम–** ● युवा एआई फॉर ऑल पहल और कौशल रथ अभियान ● महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल ● बायोफार्मा शक्ति पहल ● बाजार पहुँच सहायता पहल ● संपूर्णता अभियान 2.0 ● राष्ट्रीय उद्यमिता अभियान ● मान्यता कार्यक्रम ● बाल विवाह-मुक्त भारत अभियान ● **परियोजना–** ● ग्रेट निकोबार परियोजना ● फिशिंग हार्बर परियोजना ● कमला जलविद्युत परियोजना ● वांगचू जलविद्युत परियोजना ● राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना ● सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना (SLHEP) ● दुलहस्ती चरण-II जलविद्युत परियोजना ● मूसी नदी पुनर्विकास परियोजना ● **मिशन–** ● निर्यात प्रोत्साहन मिशन ● भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 ● **महिलाओं के समग्र विकास हेतु प्रमुख राष्ट्रीय योजनाएँ**

10. स्वास्थ्य	127-131

● टिटनेस एवं वयस्क डिप्थीरिया (टीडी) वैक्सीन ● RTS,S/AS01 (मलेरिया वैक्सीन) के बारे में ● ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV) टीकाकरण अभियान ● HIV-रोकथाम इंजेक्शन–लेनाकापाविर ● सेमाग्लूटाइड ● निमेसुलाइड ● गोनोरिया उपचार के लिए नई ओरल दवाओं को मंजूरी ● मेघालय में मेनिंगोकोकल संक्रमण ● ऑस्टियोपोरोसिस ● क्वोरम सेंसिंग ● प्राइमरी स्क्लेरोसिंग कोलेंजाइटिस (PSC) ● मायोग्लोबिन ● क्यासानूर वन रोग/बंदर बुखार (KFD) ● गिलियन-बैरे सिंड्रोम (GBS) ● लेजिओनेयर्स रोग

11. रक्षा/प्रतिरक्षा	132-139

● पश्चिम एशिया में उभरता मिसाइल रक्षा परिदृश्य ● ब्लू स्पैरो मिसाइल ● शक्तिबाण रेजिमेंट ● प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' ● समुद्र के भीतर काम करने वाला मानव रहित वाहन ● ब्रह्मोस-2 मिसाइल ● ऑपरेशन पवन ● डॉर्नियर 228 विमान ● अग्नि-3 इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल ● सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (SFDR) ● पेचोरा मिसाइल प्रणाली ● इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम ● DRDO की LR-AshM मिसाइल ● फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल ● पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट ● के-4 बैलिस्टिक मिसाइल ● इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड- सैफरान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड डिफेंस रक्षा समझौता ● आईएनएस अंजदीप ● डार्क ईगल लॉन्ग-रेंज हाइपरसोनिक वेपन (LRHW) ● मानव-पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली (MANPADS) ● आईएनएसवी कौंडिन्या ● आईसीजीएस अमूल्य ● युद्धाभ्यास

12. अधोसंरचना, परिवहन एवं ऊर्जा 140-148

● भारत, यूएई, साउदी अरब उर्जा एक्सचेंज ● उत्तर प्रदेश में 6 नए प्रस्तावित कॉरिडोर ● भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन ● भारत में UN रोड सेफ्टी फाइनेंसिंग प्रोजेक्ट ● जिम्बाब्वे में SADC सतत ऊर्जा सप्ताह की शुरुआत ● राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन 2.0 ● भारत का पहला समर्पित क्वांटम और एआई विश्वविद्यालय परिसर ● भारत की पहली अंडरवाटर रेल सुरंग ● सरदार बल्लभ भाई पटेल रोजगार व कौशल विकास केंद्र ● भारत में हवाई अड्डों का निजीकरण ● भारत में नई क्षेत्रीय एयरलाइन्स ● सहकारी आधारित टैक्सी सेवा : 'भारत टैक्सी' ● थोरियम आधारित ऊर्जा आत्मनिर्भरता ● ई-मेथनॉल संयंत्र ● सोडियम-आयन बैटरी ● तेलंगाना में भारत की पहली लिथियम रिफाइनरी ● एएससी अर्जुन ● बायो-सेफ्टी लेवल–4 (BSL-4) ● तत्क्षण सुरक्षा चेतावनी प्रणाली ● नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट ग्रीनफील्ड कॉरिडोर ● ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम कवच 4.0 ● रिलेइंग प्रणाली ● एशिया की सबसे लंबी स्की ड्रैग लिफ्ट ● श्योक सुरंग

13. पर्यावरण एवं जैवविविधता 149-160

● घास भूमियों के संरक्षण की वैश्विक एवं राष्ट्रीय आवश्यकता ● एक्सपोजोम ● जैव-सामग्री ● रामसर सूची में 2 नई आर्द्रभूमियां ● एम-स्ट्राइप्स ● दक्षिणी महासागर ● गैस हाइड्रेट ● कांगेर घाटी ● चिल्लई-कलां ● एरिवान एनोमलस ब्लू ● डाईबैक रोग ● वेस्टर्न ट्रैगोपैन पक्षी ● बक्सा टाइगर रिजर्व ● कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण ● स्टेट ऑफ फाइनेंस फॉर नेचर 2026 ● पश्चिमी हिमालय में कम हिमपात ● घास के मैदानों का संरक्षण ● डिनोकोकस रेडियोड्यूरन्स बैक्टीरिया ● त्सोमगो झील ● ओलियम (Oleum) रिसाव ● जैव विविधता का संरक्षण

14. कला एवं संस्कृति 161- 165

● जेहनपोरा बौद्ध परिसर ● नागौरी अश्वगंधा को जी आई टैग ● पोंडुरु खादी को जीआई टैग ● मिस्र में भारतीय अभिलेख की खोज ● 'सेवा तीर्थ' : चेन्नाकेशव मंदिर ● हक्की-पिक्की जनजाति ● लिविंग रूट ब्रिज ● जापोटेक सभ्यता ● भाषिनी समुदाय ● सोमनाथ स्वाभिमान पर्व ● प्रेह विहार मंदिर ● सागर द्वीप ● नरसपुरम लेस क्राफ्ट ● पिपरहवा अवशेष ● हो जनजाति ● बोरींडो ● नरेंद्र मोदी द्वारा पुतिन को दिए गए अनमोल तोहफे ● संविधान का संथाली संस्करण और 'ओल चिकी' लिपि

15. प्रमुख रिपोर्ट/सूचकांक 166-171

● हेनले पासपोर्ट इंडेक्स, 2026 ● भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) 2025 ● आईओएम ग्लोबल अपील 2026 रिपोर्ट ● रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स (RNI) ● नवीन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक ● 'ए ब्रेथ ऑफ चेंज' रिपोर्ट ● निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 ● बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति, 2024–25 रिपोर्ट ● WEF वैश्विक जोखिम रिपोर्ट, 2026

16. ऐप/पोर्टल 172-74

17. कृषि एवं पशुपालन 175-178

● मखाना बना ग्लोबल ब्रांड ● विलेजेज ऑफ एक्सीलेंस पहल ● शालीमार गेहूँ ● भारत का चावल उत्पादन और जल संकट ● करण फ्राइज और वृंदावनी गाय ● सरसों पर ओरबैंकी का संकट ● खोपरा ● भारत के डेयरी क्षेत्र का डिजिटल रूपांतरण ● धान उत्पादन में संधारणीयता प्राप्त करना

18. नवीनतम लघु सामान्य ज्ञान 179-182

● नियुक्ति (राष्ट्रीय) ● नियुक्ति (अंतर्राष्ट्रीय) ● निधन (राष्ट्रीय) ● निधन (अन्तर्राष्ट्रीय) ● चर्चित व्यक्ति (राष्ट्रीय) ● चर्चित व्यक्ति (अन्तर्राष्ट्रीय) ● चर्चित महिलाएं (राष्ट्रीय) ● चर्चित महिलाएं (अन्तर्राष्ट्रीय) ● चर्चित स्थल (राष्ट्रीय) ● चर्चित स्थल (अंतर्राष्ट्रीय) ● चर्चित पुस्तकें ● दिवस/सप्ताह/वर्ष

19. पुरस्कार/सम्मान 183-193

● **राष्ट्रीय पुरस्कार–** ● साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2025 ● ग्लोबल टीचर प्राइज ● सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार ● पद्म पुरस्कार, 2026 ● शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र ● राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार, 2025 ● यूपी गौरव सम्मान, 2026 ● **अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार–** ● 98वां ऑस्कर पुरस्कार, 2026 ● 68वां ग्रैमी अवार्ड्स, 2026 ● गोल्डन ग्लोब पुरस्कार, 2026 ● फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार, 2026 ● नोबेल पुरस्कार और उसका दान देना ● **अन्य महत्वपूर्ण पुरस्कार–** ● घनश्यामदास बिड़ला (GD Birla) पुरस्कार, 2025 ● टाटा संस ट्रांसफॉर्मेशन प्राइज ● प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार ● पीएम मोदी को इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान ● चैंपियंस ऑफ द अर्थ पुरस्कार ● इफ्को साहित्य सम्मान, 2025 ● ग्लोबल ह्यूमैनटेरीयन अवार्ड

20. नवीनतम खेलकूद 194-199

● राष्ट्रीय खेल ● क्रिकेट ● टेनिस ● हॉकी ● निशानेबाजी ● स्क्वैश ● खेल आयोजन ● खेल (टिप्पड़ी) ● चर्चित खिलाड़ी (राष्ट्रीय) ● चर्चित खिलाड़ी (अंतर्राष्ट्रीय)

21. परीक्षोपयोगी समसामयिक स्मरणीय तथ्य 200-204

एडवाइजरी

प्रिय पाठकों,

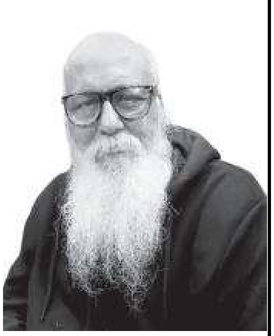

मंथन प्रकाशन का यह अंक लक्ष्य-2, 2026 आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए हमें अपार हर्ष हो रहा है। यह अंक सिविल सर्विसेज, वनडे परीक्षाओं एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के सभी चरणों (प्रारंभिक, मुख्य एवं साक्षात्कार) के लिए समान रूप से उपयोगी है। इस अंक में 15 दिसंबर, 2025 से 20 मार्च, 2026 के बीच की महत्त्वपूर्ण घटनाओं, परिघटनाओं एवं मुद्दों को तार्किक एवं वैज्ञानिक परिपाटी पर प्रस्तुत किया गया है। इस 'त्रैमासिक' (त्रियांक) का स्वरूप कुछ इस प्रकार है कि आपको न केवल दुर्लभ तथ्यों की जानकारी प्राप्त होगी बल्कि घटनाओं का विश्लेषण एवं अंतर्संबंध की गहरी समझ भी आपको हो सकेगी। इसके अतिरिक्त हमने इस 'त्रैमासिक' अंक में इस तरह का तार्किक वर्गीकरण किया है कि एक तरह की घटनाएं आपको एक जगह पर प्राप्त होगी जिससे ज्ञान की समूची समझ आपके लिए सुलभ होगी। हमने इस अंक में सम-समायिक लेख, राष्ट्रीय परिदृश्य, अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य, नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आर्थिक परिदृश्य, केंद्रीय बजट 2026-27 एवं आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26, विधिक परिदृश्य, विज्ञान/प्रौद्योगिकी एवं अंतरिक्ष, पर्यावरण एवं जैव विविधता, योजना/परियोजना/पहल/अभियान/कार्यक्रम, स्वास्थ्य, रक्षा/प्रतिरक्षा, अधोसंरचना : परिवहन एवं ऊर्जा, कला एवं संस्कृति, कृषि, प्रमुख रिपोर्ट/सूचकांक, ऐप/पोर्टल, नवीनतम लघु सामान्य ज्ञान, पुरस्कार/सम्मान, नवीनतम खेल-कूद एवं परीक्षोपयोगी समसामयिक स्मरणीय तथ्य आदि को परीक्षोपयोगी दृष्टिकोण से तैयार किया है।

यह पुस्तक आपको घटनाओं के बारे में न केवल समझ बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी बल्कि आपकी ज्ञान के प्रति उत्सुकता को बढ़ाएगी एवं आपके व्यक्तित्व को नया आयाम देगी जो आपकी परीक्षाओं के लिए एक बेहतर दृष्टिकोण को प्रदर्शित करेगा।

शुभकामनाओं के साथ...

आपका

अनिल अग्रवाल (संपादक)

हमारे करेंट अफेयर्स ईयरबुक/त्रियांक, 2026 का सामान्य प्रकाशन कार्यक्रम

20 दिसंबर, 2025 - लक्ष्य भाग-1, 2026 (प्रकाशित)

20 मार्च, 2026 - लक्ष्य भाग-2, 2026 (प्रकाशित)

20 जून, 2026 - लक्ष्य भाग-3, 2026

20 सितंबर, 2026 - लक्ष्य भाग-4, 2026

***नोट*: आईएएस, यूपीपीसीएस, आरओ/एआरओ प्रा. परीक्षा विशेषांक परीक्षा से एक महीने पूर्व प्रकाशित होगा।**

{लक्ष्य-1 को छोड़कर उपरोक्त सभी अंकों का प्रारूप त्रैमासिक (त्रियांक) के रूप में होगा}

(अपरिहार्य कारणों अथवा विभिन्न परीक्षा कार्यक्रमों को देखते हुए उपरोक्त तिथियों में हल्का फेरबदल संभव है।)

प्रधान कार्यालय : 7R/5 कैलाशपुरी कॉलोनी, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद-211001

मोबाइल नं. : 09335151971

संपादक : अनिल अग्रवाल

© सर्वाधिकार : प्रकाशक

प्रधान कार्यालय : 7R/5 कैलाशपुरी कॉलोनी, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइंस, प्रयागराज-211001

मोबाइल नं. : 09335151971

website : www.manthanprakashan.in

email : manthan.prakashan@gmail.com

www.facebook.com/parikshamanthan

Telegram Channel : https://t.me/ParikshaManthan

Follow Instagram :

https://www.instagram.com/ParikshaManthan

YouTube channel : youtube.com/ParikshaManthanOfficial

पंजीकरण संख्या : 64777/96

मूल्य : 200/- (दो सौ रुपये मात्र)

(सभी विवादों का निपटारा इलाहाबाद की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरमों में ही किया जायेगा।)

सम-सामयिक लेख.....

● अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति में होर्मुज जलसन्धि का महत्व ● वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौतियों का साल 2025 ● भारत में AI का विकास क्रम ● 2025 : भारत की अंतरिक्ष प्रगति ● उत्तर भारत के मैदानी इलाकों की जलवायु, वायु और जल के लिए अरावली पर्वतमाला क्यों महत्वपूर्ण है? *अथवा* अरावली पर्वतमाला का महत्त्व ● नई उभरती विश्व व्यवस्था की भारत में विदेश नीति ● भारत में फ्रीबीज की संस्कृति ● 'विकसित भारत @ 2047' : भारत की आर्थिक महाशक्ति बनने का आगाज ● भारत में बढ़ता वायु प्रदूषण ● वेनेजुएला संकट *अथवा* वेनेजुएला संकट और भारत पर इसका प्रभाव ● भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति का प्रारंभ

अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति में होर्मुज जलसन्धि का महत्व

- हाल ही में ईरान, इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हुए संघर्ष में ईरान ने होर्मुज जलसन्धि से होने वाले व्यापार पर रोक लगा दी जिससे पूरे विश्व में उर्जा का संकट उत्पन्न हो गया है।

होर्मुज जलसन्धि की भू-राजनीतिक स्थिति

- होर्मुज जलडमरूमध्य, तेल समृद्ध देशों को जोड़ने वाला एकमात्र समुद्री मार्ग है। यह पश्चिम में फारस की खाड़ी, दक्षिण-पूर्व में ओमान की खाड़ी और अरब सागर से घिरी हुई है। मार्च 2026 में ईरान संघर्ष के दौरान इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान द्वारा किए गए हमलों और धमकियों के कारण यातायात में 97 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति में अब तक की सबसे बड़ी बाधा उत्पन्न हुई और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई ।
- 20 प्रतिशत से अधिक वैश्विक तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का निर्यात इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जो ईरान, इराक, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात से निर्यात होने वाले पेट्रोलियम के लिए प्राथमिक मार्ग है।
- निर्यात भौगोलिक रूप से केंद्रित है—लगभग चार-पांचवां हिस्सा एशिया के आयातक देशों, विशेष रूप से चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को जाता है—लेकिन पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों की कम लोचशीलता के कारण आपूर्ति की मात्रा का वैश्विक स्तर पर कीमतों पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
- हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ने वाले मलक्का जलडमरूमध्य के साथ-साथ होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण तेल संवाहक मार्गों में से एक है।

होर्मुज जलसन्धि का महत्त्व

- होर्मुज जलसन्धि (Strait of Hormuz) वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ती है। यह विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20-25% और LNG का 20% हिस्सा वहन करती है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव के कारण, यह मार्ग भू-राजनीतिक शक्ति, तेल आपूर्ति और वैश्विक आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण 'चोक पॉइंट' (Choke Point) है।

होर्मुज जलसंधि का अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति में महत्व

- **ऊर्जा नस (Energy Lifeline)** : सऊदी अरब, ईरान, इराक, यूएई और कतर से निकलने वाला अधिकांश कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी संकरे मार्ग से होकर जाता है।
- **प्रमुख ऊर्जा गलियारा** : वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20% (प्रति दिन 20 मिलियन बैरल से अधिक) इसी मार्ग से होकर गुजरता है।
- **एलएनजी हब** : कतर के लगभग सभी एलएनजी निर्यात इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरते हैं।
- **वैश्विक चोकपॉइंट** : मलक्का जलडमरूमध्य के बाद दूसरा सबसे व्यस्त तेल पारगमन चोकपॉइंट।
- **वैश्विक आर्थिक प्रभाव** : इस मार्ग में कोई भी व्यवधान या रुकावट तेल की कीमतों में तत्काल तीव्र वृद्धि कर सकती है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ जाता है।
- **भारत के लिए महत्व** : भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 84% आयात करता है, और इस क्षेत्र में उत्पन्न तनाव भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा खतरा है।
- **ईरान का सामरिक लाभ** : जलसन्धि के उत्तरी तट पर ईरान का नियंत्रण है। ईरान अक्सर पश्चिमी देशों पर दबाव बनाने के लिए इस मार्ग को बंद करने की धमकी देता है, जिसे वह एक भू-राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग करता है।
- **सैन्य उपस्थिति और तनाव** : अमेरिका सहित कई देशों के नौसैनिक बेड़े यहां तैनात रहते हैं, जिससे यह क्षेत्र संघर्ष का हॉटस्पॉट बना रहता है।
- **एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्व** : इस मार्ग से गुजरने वाले तेल का अधिकांश हिस्सा एशियाई देशों (भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया) के लिए जाता है, जिससे उनकी ऊर्जा सुरक्षा सीधे प्रभावित होती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बारे में

- होर्मुज जलडमरूमध्य एक संकरा लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग है जो फारस की खाड़ी से वैश्विक बाजारों में तेल और गैस के निर्यात के लिए प्राथमिक समुद्री मार्ग के रूप में कार्य करता है।
- यह उत्तर में ईरान और दक्षिण में ओमान के बीच स्थित है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है।
- अपने सबसे संकरे बिंदु पर यह लगभग 33 किमी चौड़ा है, जिसमें जहाजरानी के लिए बने रास्ते प्रत्येक दिशा में केवल लगभग 3 किमी चौड़े हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य का इतिहास

- ऐतिहासिक रूप से यह एशिया, मध्य पूर्व और उससे आगे के क्षेत्रों को जोड़ने वाला एक प्रमुख व्यापार मार्ग रहा है।
- वैश्विक भू-राजनीति के केंद्र में निम्नलिखित परिस्थितियाँ थीं—
  - ➔ 1973 अरब तेल प्रतिबंध
  - ➔ ईरान-इराक युद्ध (1980-88), विशेष रूप से टैंकर युद्ध
  - ➔ 2012, 2019 और 2023-24 में बार-बार तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई, जिसमें टैंकरों की जब्ती और प्रतिबंधों से संबंधित टकराव शामिल थे।
- प्रतिबंधों या सैन्य तनाव बढ़ने की अवधि के दौरान ईरान द्वारा इसे अक्सर एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

निष्कर्ष

- होर्मुज जलसन्धि पर नियंत्रण का मतलब वैश्विक तेल आपूर्ति पर नियंत्रण है। यही कारण है कि यह क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, नौसैनिक शक्ति प्रदर्शन और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक है। किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर विश्व स्तर पर तेल और गैस की कीमतों पर पड़ता है, जिससे मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता प्रभावित होती है। बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े की उपस्थिति इसके भूराजनीतिक महत्व को रेखांकित करती है।

वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौतियों का साल 2025

- वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) द्वारा अपनी बढ़ती प्रासंगिकता और महत्व के जोरदार दावों और वैश्विक नेताओं द्वारा बहुपक्षीय, लचीले, जरूरत-आधारित या रणनीतिक और तदर्थ लेन-देन वाले गठजोड़ों को अपनाने के बावजूद, 2025 में दुनिया डोनाल्ड ट्रंप से ऐसे प्रभावित हुई, जैसा पहले कभी नहीं हुआ था, भले आप उनसे प्यार करें या नफरत। बढ़ती अर्थव्यवस्था, सबसे कम बेरोजगारी, सबसे कम महंगाई, टैरिफ से खरबों डॉलर की कमाई, हजारों विदेशियों को देश से निकालना और कई देशों से प्रवेश पर रोक और अमेरिका में सुनहरा दौर लाने के उनके दावों पर आप चाहे विश्वास करें या नहीं, पर उनके टैरिफ का असर भारत समेत उनके दोस्तों और दुश्मनों, दोनों ने महसूस किया। कई नेता अमेरिकी उत्पादों पर कम शुल्क और नए क्षेत्रों में बाजार पहुंच देने का प्रस्ताव लेकर व्हाइट हाउस पहुंचे। पाकिस्तान और इस्राइल द्वारा नामित किए जाने के बावजूद और भारत-पाकिस्तान के बीच झड़पों सहित आठ युद्धों को रोकने के अपने दावों के बावजूद, वह नोबेल शांति पुरस्कार से बेशक चूक गए, लेकिन इस्राइल-हमास संघर्ष या रूस-यूक्रेन संघर्ष और मिसाइलों और ड्रोन के साथ इस्राइल-ईरान के बीच पूरी तरह से युद्ध को सुलझाने की सभी कोशिशों में उनकी गैर-मौजूदगी में भी मौजूदगी महसूस की गई। इस तरह ट्रंप 2025 के सबसे सही मैन ऑफ द ईयर थे। ट्रंप का तूफान 2026 में भी अमेरिका और विदेश में होने वाले घटनाक्रमों पर असर डालता रहेगा।
- दूसरी पारी में ट्रंप के साथ रिश्ते को बेहतर करने के लिहाज से भारत के लिए 2025 एक चुनौतीपूर्ण साल रहा है। भारत के साथ 25 साल से चले आ रहे करीबी द्विपक्षीय रिश्तों को ट्रंप ने ताक पर रख दिया। भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में उन्होंने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है, लेकिन व्हाइट हाउस में दिवाली और जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी को फोन करने जैसे दिखावे किए। भारत ने समझदारी दिखाते हुए कोई जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा नहीं की है और न ही अमेरिका के दबाव के आगे झुका है। उसने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम करवाने में ट्रंप की भूमिका को भी नकार दिया है, भले ही ट्रंप ने 20 से ज्यादा बार ऐसा दावा किया हो।
- व्यापार वार्ता में, भारत अपनी आपत्तियों पर कायम रहा और उसने चतुराई से अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का संकेत दिया। चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन में पुतिन, शी जिनपिंग और मोदी की तिकड़ी का एक साथ आना, मोदी और पुतिन का एक ही कार में बैठना और पुतिन का हाल ही में दिल्ली दौरा, जिसमें फिर से दोनों एक सा कार में बैठे और मोदी का शांति के पक्ष में खड़े होने का दावा करना, लेकिन यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा न करना, इन सबने वाशिंगटन और उसके पश्चिमी सहयोगियों को एक स्पष्ट संदेश दिया होगा।
- अमेरिकी टैरिफ की वजह से भारत में नौकरियों का नुकसान हुआ है और रत्न-आभूषण, झींगा, कपड़ा, चमड़े के सामान, हस्तशिल्प और ऑटोमोबाइल पार्ट्स के निर्यात पर 30 अरब अमेरिकी डॉलर का असर पड़ा है। इनसे निपटने के लिए भारत ने अपने प्रयास तेज कर दिए हैं और कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। यूरोपीय संघ, संयुक्त अरब अमीरात और दूसरे देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते हो सकते हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पहले से